वैश्विक क्षमता केंद्रों के विकास में बिल्डरों की महत्वपूर्ण भूमिका

अमर उजाला ब्यूरो

इन्वेस्ट यूपी ने रियल एस्टेट डेवलपरों के साथ किया राउंडटेबल बैठक का आयोजन

लखनऊ। निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी ने वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) की संभावनाओं पर चर्चा के लिए रियल एस्टेट डेवलपरों के साथ राउंडटेबल बैठक की। इसमें प्रदेश के कुशल कार्यबल, किफायती अवस्थापना, बेहतर कनेक्टिविटी और हाल ही में लागू जीसीसी नीति की विशेषताओं को बताया गया। उन्हें बताया गया कि राज्य में हर साल दो लाख से अधिक तकनीकी स्नातक निकल रहे हैं। करीब 8000 से ज्यादा उच्च शिक्षा संस्थान उपलब्ध हैं।

रियल एस्टेट डेवलपरों को बताया गया कि नीति के तहत पूंजी व पेरोल सब्सिडी, ईपीएफ प्रतिपूर्ति और निवेशकों के सुगम आनबोर्डिंग के लिए समर्पित सहायता प्रकोष्ठ जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। जीसीसी पारिस्थितिकी तंत्र को सहयोग देने के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र की अहम भूमिका पर बल देते हुए इन्वेस्ट यूपी के एसीईओ शशांक चौधरी ने कहा कि नोएडा को वैश्विक हब, लखनऊ को उभरता हुआ हब, और आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी व प्रयागराज को सेटेलाइट सेंटर्स के रूप में विकसित किया जाएगा।

बैठक में क्रेडाई के सदस्यों ने बताया कि वे पहले से ही आईटी और आईटीएस कंपनियों और कुछ जीसीसी प्लेयर्स को ऑफिस स्थान उपलब्ध करा रहे हैं और अब इन्वेस्ट यूपी के साथ समन्वय कर अपनी वाणिज्यिक कार्यस्थल इन्वेंट्री को साझा करेंगे। कुछ डेवलपर्स ने यह भी बताया कि उनके पास कस्टमाइज्ड अवस्थापना पहले से उपलब्ध है, जिसे जीसीसी की आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तित किया जा सकता है।